उत्तराखण्ड–संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य प्रथम वर्ष, विषय–पुराणेतिहासः, प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – (क) श्रीमद्भागवतपुराणम् – (प्रथम–द्वितीयस्कन्धौ) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –वाल्मीकि–रामायणम्–(बालकाण्डम्) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् –(क) महाभारतम् – (राजधर्मानुशासनं पर्व, 1–30 अध्यायाः) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम्–(क) पुराणविद्याविवेचनम्। **– 40 अंकाः +20**

(ख) भारतीय दर्शनशास्त्रस्येतिहासः (चार्वाकजैनबौद्धदर्शनानि) **– 40 अंकाः**

पंचमपत्रम–वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः **– 80+20 अंकाः**

सन्दर्भग्रन्थाः–

1. पुराणपर्यालोचनम् – डॉ0 श्री कृष्णमणित्रिपाठी, चौरवम्बासुरभारती प्रकाशन।
2. पुराणविमर्शः – आचार्य बलदेव उपाध्यायः, चौरवम्बा और,वाराणसी।
3. पुराणतत्वमीमांसा – डॉ0 श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौरवम्बा सुरभारती प्रकाशन।
4. पुराणपरिशीलनम् – म0म0 गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी।

सन्दर्भग्रन्थाः –

(प्रथम पत्राय)

1. भारतीय दर्शनम् – डॉ0 शशिप्रभा कुमार, चौरवम्बा सुरभारती प्रकाशन।
2. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्यः–चौरवम्बा सुरभारती।
3. भारतीय दर्शन – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–प्रथमवर्षः, द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्– **(क)** श्रीमद्देवीभागवतम् – (प्रथम स्कन्धः) **– 80+20अंकाः**

द्वितीयपत्रम्– **(क)** वाल्मीकिरामायणम् – (सुन्दरकाण्डम्) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम्–(क) श्रीमद्भागवतपुराणम् (दशमस्कन्धः, पूर्वार्द्धमात्रम्) **– 80+20अंकाः**

चतुर्थपत्रम्–(क) श्रीमद्भागवत–पुराणम् (पञ्चमस्कन्धः) **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम– नारदभक्तिसूत्रम् **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

पुराणेतिहासः

आचार्य, द्वितीयवर्ष, तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –**(क)** श्रीमद्भागवतपुराणम् (एकादश–द्वादशस्कन्धौ) – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – **(क)** अग्निपुराणम् (21 अध्यायात् 117 अध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – **(क)** प्राचीनभारतस्येतिहासः (वैदिककालात् षष्ठशताब्दीपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. प्राचीन भारतीय इतिहास, डॉ0 राजलली पाण्डेय, चौरवम्बा सुरभारती, वाराणसी।
2. प्राचीन भारत का इतिहास, डॉ0 विमल चन्द्र पाण्डेय, प्रकाशक केदारनाथ रामनाथ, मेरठ।
3. प्राचीन भारत का इतिहास, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी।

चतुर्थपत्रम् –

महाभारत (वनपर्वम्)

{अथवा}

(क) शोध प्रविधिः – **80+20 अंकाः**

(लघुशोधप्रबन्धाय)

पंचमपत्रम– श्रीशिवमहापुराणम् (विंद्येश्वरसंहिता) – **80+20 अंकाः**

सन्दर्भग्रन्थाः–

1. अनुसन्धानपद्धतिः – डॉ0 भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी, प्रकाशन–सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. अनुसन्धानस्य प्रविधिप्रक्रिया – डॉ0 नगेन्द्र, प्रकाशक–राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्।

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

पुराणेतिहासः
आचार्य, द्वितीयवर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –

(क) स्कन्दपुराणम् (केदारखण्डम्) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –

(क) अग्निपुराणम् – (151 अध्यायात् 217 अध्यायपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् –

(क) वाल्मीकिरामायणम् (अयोध्याकाण्डम्) **– 40+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् –

(क) भारतीयदर्शनशास्त्रस्येतिहासः – **– 80+20 अंकाः**

(सांख्ययोग–न्याय–वैशेषिक–मीमांसा–वेदान्तादीनि षड्दर्शनानि)

{अथवा}

लघुशोधप्रबन्धः (पुराणविषयकः) **– 80+20 अंकाः**

सन्दर्भग्रन्थाः –

1 भारतीय दर्शन – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।

2 भारतीय दर्शनम् – डॉ0 शशिप्रभा कुमार, चौरवम्बा सुरभारती, प्रकाशन, वाराणसी।

3 सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्यः, चौरवम्बा सुरभारती, प्रकाशन, वराणसी।

पंचमपत्रम् –

वाक्परीक्षा **– 100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।